

①

न्यायालय अनुसंधान दफ्तर, दिल्ली, किराडडा

कार्य सं. ५१११  
दिनांक २०८१

[ बी० के अद्वितीय सं. ५१११ बी० ता० १२-८-११ में अनुबोधित ]

[ एकापी पत्र से उपलब्ध ]

संयुक्त मुख्य-पुण्ड और पत्रावधारण।

( के सं. निम्न १२३ अद्वितीय सं. १५११ )

SAR-11 री. 7 विभाग

जतल लीटल विवर सं. शक्ति तिकी कर्तो

CONTACT

दिनांक	विवरण	सं. को	सं. को	सं. को	सं. को
21-8-019					
16-10-01					
22-1-20					
26-2-20					
18-3-20					
13-5-20					
7-10-20					
25-1-20					
20/1/2021					
12/2/2021					
07-04-2021					
7-7-2021					
11-5-2021					
20/1/2021					
5/1/22					
8-2-2022					
22/3/22					

order

न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, सिमडेगा।

अनुसूची-14 फारम सं0 562

(विधि शाखा)


आदेश पत्रक

(देखें अभिलेख हस्तक 1941 का नियम 129)

आदेश पत्रक ता0 ..... से ..... तक

जिला-सिमडेगा ..... सन.....

केश का प्रकार SAR 11/12-12

आदेश की क्रम सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख
<u>28.3.18</u>	<p>श्री <u>जतरु लोहरा</u>                      पिता <u>श्वर कौरा लोहरा</u>                      साकिन <u>जोहरा कुकीरोली</u> थाना <u>सिमडेगा</u>                      जिला-सिमडेगा ने आवेदन-पत्र दिया है कि निम्नलिखित जमीन को नाजायज तरीके से विपक्षी ① <u>सलील तिवरी</u> पिता <u>श्व.रडी तिवरी</u> ग्राम <u>मुपला</u> जिला <u>मुपला</u> हाल में <u>जोहरा लोहरा</u> सीमडेगा जिला <u>बौकाते</u> ② <u>श्री युनीता तिवरी</u> पिता <u>जोहरा तिवरी</u> साकिन <u>कुशीकला</u> थाना <u>सिमडेगा</u> जिला-सिमडेगा ने कब्जा कर लिया है। इस जमीन को बिहार अनुसूचित क्षेत्र विनियम 1969 के अंतर्गत वापस दिलाने का अनुरोध करते हैं। विपक्षी को न्यायालय में उपस्थित होने एवं कारण-पृष्ठा दाखिल करने हेतु सम्मन निर्गत करें। अभिलेख दिनांक <u>18.4.18</u> को स्थापित करें।  <u>स्व. ए. अंचल अधिकारी से जॉन्च प्रतिवेदन की मांग करें।</u></p>	<p>18.4.18                      20.5.18                      5-8-18                      9-1-19                      13-2-19                      13-3-19                      19-6-19                      7-8-19</p>
	<p>ग्राम <u>जोहरा कुकीरोली</u> खाता सं०- <u>188</u> प्लॉट सं० <u>4462</u> रकबा <u>0.72 एअर</u></p>	
	<p>                      अनुमण्डल दण्डाधिकारी,                      सिमडेगा।</p>	



# न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, सिमडेगा।

॥ 2017  
वाद सं०-एस०ए०आर० 18/2015-16  
दिनांक.....

जतरू लोहरा  
बनाम  
सलील तिर्की वगै०

## आदेश

प्रस्तुत वाद अनुसूचित क्षेत्र विनियम, 1969 अन्तर्गत भूमि वापसी वाद की कार्यवाही आवेदक जतरू लोहरा वल्द स्व० कंदरा लोहरा, साकिन-गोतरा कुवीटोली, थाना-सिमडेगा, जिला-सिमडेगा के आवेदन पर दिनांक 28.03.2018 को शुरू की गई। आवेदक ने अपने आवेदन में लिखा है कि विपक्षीय क्रमशः 1. सलील तिर्की, पिता-स्व० एडी तिर्की, ग्राम-गुमला, जिला-गुमला हाल मोकाम बोकारो स्टील सीटी, जिला-बोकारो 2. सुश्री सुनीता तिर्की, पिता-जोहन तिर्की, साकिन क्रुशकेला, थाना-सिमडेगा, जिला-सिमडेगा ने उनके निम्नांकित जमीन को नाजायज तरीके से अपने नाम पर हस्तान्तरण कर लिये है। प्रश्नगत भूमि की विवरणी निम्नवत है:-

मौजा	थाना नं०	खाता नं०	प्लॉट नं०	रकबा
गोतरा	80	188	4462	0.72 एकड़

आवेदक द्वारा न्यायालय से अनुरोध किया है कि छोटानागपुर, काश्तकारी अधिनियम, 1908 की धारा-71A के तहत जमीन वापस दिलवायी जाय। आवेदक के आवेदन के आलोक में यह मुकदमा प्रारंभ हुई। विपक्षीयों को नोटिस निर्गत किया गया एवं अंचल अधिकारी, सिमडेगा से प्रक्रिया की जमीन के बाबत विस्तृत जाँच प्रतिवेदन की मांग की गई। विपक्षीय अपने अधिवक्ता के माध्यम से वाद में उपस्थित हुए एवं अपना लिखित पक्ष आवश्यक दस्तावेज के साथ न्यायालय में समर्पित किया जो अभिलेख में संलग्न है। साथ ही श्रीमान अंचल अधिकारी, सिमडेगा द्वारा जाँच प्रतिवेदन न्यायालय में समर्पित किया गया है, अभिलेख में संलग्न है।

आवेदक ने अपने दावे के समर्थन में कहा है कि वे लोहरा जाति के सदस्य है, और प्रक्रिया की जमीन उनके दादाजी स्व० मिला लोहरा के जमाबंदी खाता नं०-188 के पंजी-II से दिनांक 18.01.1989 ई० को संवैधानिक तरीके से काटकर विपक्षी सलील तिर्की के नाम पर नया जमाबंदी पंजी-II के पृष्ठ सं०-295 खोलकर दाखिल किया गया है, किन्तु कथित जमीन पर विपक्षी सलील तिर्की कभी भी दखलकार नहीं रहा है और दिनांक 24.01.2013 ई० को विपक्षी सलील तिर्की के भाई शिशिर तिर्की द्वारा विपक्षी सं०-2 सुनीता तिर्की को 0.04 एकड़ जमीन बेचा गया। विपक्षी सं०-2 जब मकान बनाने जमीन पर आयी तब आवेदक को इस छल प्रपंच की जानकारी हुई। अतः जमीन वापसी का यह मुकदमा आवेदक दायर किया है। अपने दावे के पक्ष में आवेदक द्वारा निम्नांकित कागजात दाखिल किया गया है:-

1. वर्ष 2012-13 का मालगुजारी रसीद सं०-7085152 की छायाप्रति जो मीला लोहार के नाम से निर्गत है-एक फरद।
2. कार्यालय प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, सिमडेगा द्वारा जतरू लोहरा के नाम निर्गत जाति प्रमाण पत्र क्रमांक-II/60 दिनांक 19.03.2013 की छायाप्रति-एक फरद।



3. मौजा-गोतरा, थाना नं०-80, थाना-सिमडेगा, जिला-सिमडेगा के खाता नं०-13

खतियान की छायाप्रति-एक फरद।

विपक्षीगणों द्वारा अपने दावे के समर्थन में लिखित जवाब दाखिल किया गया है। लिखित जवाब में विपक्षीगणों द्वारा कहा गया कि प्रश्नगत जमीन विगत रिविजनल सर्वे में लोहार वल्द कोंगया लोहार के नाम से कायमी रैयती दर्ज है। मीला लोहार प्रश्नगत जमीन को निबंधित बिक्रय दस्तावेज के द्वारा दिनांक 05.07.1949 ई० को सहदेव घांसी साफिन-खुंटीटोली, थाना-सिमडेगा, जिला-सिमडेगा को बिक्री कर दिया। सहदेव घांसी प्रक्रिया की जमीन को बिक्रय दस्तावेज के द्वारा दिनांक 26.08.1971 ई० को विपक्षी सं०-1 सलील तिर्की को बिक्री कर दिये। विपक्षी सं०-1 जमीन खरीदने के पश्चात् मुकदमें की जमीन शांतिपूर्वक दखल में आया एवं अपने नाम से दाखिल-खारिज कराया। जिसका वाद सं०-30 R27/1974-1975 है। विपक्षी सं०-4 सलील तिर्की काम के सिलसिले में बाहर रहते थे। अतः उन्होंने दिनांक 02.07.2012 ई० को अपने छोटे भाई शिशिर तिर्की को प्रक्रिया की जमीन को बिक्रय करने एवं निबंधन करने के एक निबंधित पावर ऑफ एटॉर्नी हॉल्डर शिशिर तिर्की प्रक्रिया की जमीन रकबा-0.72 एकड़ में से 0.04 एकड़ निबंधित बिक्रय पट्टा के द्वारा दिनांक 24.01.2013 को विपक्षी सं०-2 सुनीता तिर्की को बिक्री कर दिया। विपक्षी सं०-2 जमीन खरीदने के पश्चात् खरीदगी जमीन पर शांतिपूर्वक दखल की गई एवं अपने नाम पर दाखिल-खारिज करवायी जिसकी दाखिल-खारिज वाद सं०-06R27/2012-13/491R27/2012-13 है। उक्त दाखिल-खारिज के खिलाफ आवेदक श्रीमान भूमि सुधार उप समाहर्ता, सिमडेगा के न्यायालय में अपील दायर किया। जो दाखिल-खारिज वाद सं०-03/2013-14 के रूप दर्ज हुआ। जिसे न्यायालय श्रीमान भूमि सुधार उप समाहर्ता, सिमडेगा के द्वारा दिनांक 28.01.2014 ई० को खारिज कर दिया गया। उक्त आदेश के खिलाफ आवेदक श्रीमान उपायुक्त, सिमडेगा के न्यायालय में रेवेन्यू रिविजन दाखिल किया जिसका मुकदमा संख्या रेवेन्यू रिविजन संख्या-02/2014-15 के रूप में दर्ज हुआ। जो दिनांक 11.11.2022 ई० को न्यायालय श्रीमान उपायुक्त महोदय, सिमडेगा द्वारा खारिज कर दिया गया।

पुनः विपक्षीगणों द्वारा अपने लिखित जवाब में कहा गया कि सन्-2013 ई० में धारा-144 द०प्र०स० के तहत एक मुकदमा प्रक्रिया की जमीन पर विपक्षीगणों के खिलाफ आवेदक द्वारा लाया गया था। जो श्रीमान अनुमण्डल दण्डाधिकारी, सिमडेगा के न्यायालय में M45/2013-14 के रूप में दर्ज हुआ। उक्त मुकदमा दिनांक 03.08.2013 ई० को फैसला आया।

जिसमें आवेदक के प्रक्रिया की जमीन में जाने से रोक लगा दिया गया, तथा प्रक्रिया की जमीन पर विपक्षी के शांतिपूर्वक दखल-कब्जा पाया गया। आवेदक एवं उसके भाई सुरेश लोहार एवं आवेदक का चचेरा भाई चेतु लोहार द्वारा प्रक्रिया की जमीन के संदर्भ में एक मुकदमा टाईटल सूट 16/2013 श्रीमान सब जज-1, सिमडेगा के न्यायालय में दाखिल किया था। जिसमें श्रीमान सब जज-1, सिमडेगा द्वार दिनांक 31.07.2017 को आवेदक के विरुद्ध फैसला देते हुए उसके द्वारा दायर मुकदमा को खारिज कर दिया गया। विपक्षीगणों के द्वारा कहना है कि खतियान के अनुसार आवेदक की जाति लोहार है जो अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में नहीं आता है।

②



अतः दफा-46 CNT ACT का क्रय-विक्रय का उल्लंघन नहीं हुआ है, और श्रीमान के अदालत में प्रक्रिया मुकदमा 71A छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम के तहत विचारणीय नहीं है। साथ ही आवेदक का आवेदन विधि-विधान से वाचित है। अतः आवेदक के जमीन वापसी के आवेदन को खारिज किये जाने की कृपा की जाय।

विपक्षीगण अपने लिखित आवेदन के साथ निम्नलिखित दस्तावेज दाखिल किये

है:-

1. छायाप्रति निबंधित विक्रय दस्तावेज दिनांक 05.07.1949-2फरद।
2. छायाप्रति निबंधित दस्तावेज दिनांक 24.08.1971-2फरद।
3. छायाप्रति शुद्धि-प. मुकदमा सं०-30R27/1974-75 - 2 फरद।
4. छायाप्रति निबंधित दस्तावेज दिनांक 24.01.2003-10 फरद।
5. छायाप्रति शुद्धि-पत्र मुकदमा सं०-6R27/2013-14-1फरद।
6. मालगुजारी रसीद-5 फरद।
7. छायाप्रति फैसला दिनांक 31.07.2017 सब जज-1, सिमडेगा (टी०ए०सं०-16/2013)-15 फरद।
8. छायाप्रति डिग्री दिनांक 10.03.2017-1 फरद।
9. छायाप्रति फैसला दिनांक 28.01.2014 दाखिल-खारिज वाद सं०-3/2013-14 न्यायालय भूमि सुधार उप. समाहर्ता, सिमडेगा-2 फरद।
10. फैसला दिनांक 11.11.2020 रेवेन्यू रिजिजन वाद सं०-2/2014-15, न्यायालय श्रीमान उपायुक्त महोदय सिमडेगा द्वारा-2 फरद।
11. छायाप्रति ~~दस्तावेज~~ न्यायालय श्रीमान अनुमण्डल दण्डाधिकारी, सिमडेगा द्वारा - 2फरद

अंचल अधिकारी, सिमडेगा द्वारा वाद की जमीन के बाबत एक विस्तृत जाँच प्रतिवेदन पत्रांक-1662(ii), दिनांक 17.10.2019 समर्पित किया है जिसमें उन्होंने प्रतिवेदित किया है कि विपक्षी सं०-1 सलील तिर्की वाद की जमीन को दिनांक 26.08.1971 ई० को निबंधित पट्टा सं०-874 द्वारा खरीदकर दखलकार है। खतियानी रैयत मीला लोहार वल्द कोंगना लोहार कौम लोहार" है। पंजी-II में खाता नं०-188, प्लॉट नं०-4462, रकबा-0.68 एकड़ सलील तिर्की, पिता-स्व० एडी तिर्की के नाम से जमाबंदी कायम है, एवं खाता नं०-188, प्लॉट नं०-4462, रकबा-0.04 एकड़ सुनीता तिर्की वल्द जोहन तिर्की के नाम से जमाबंदी कायम है।

प्रश्नगत भूमि के खतियानी रैयत मीला लोहार वल्द कोंगना लोहार जाति लोहार द्वारा पट्टा सं०-181, दिनांक 05.07.1949 द्वारा श्री सहदेव घांसी वल्द खड़कधारी घांसी को बिक्री कर दिया। सहदेव घांसी प्रश्नगत भूमि को निबंधित दस्तावेज संख्या-874, दिनांक 26.08.1971 ई० को सलील तिर्की (विपक्षी सं०-1) वल्द एडी तिर्की प्रश्नगत जमीन में दखलकार होकर अपने नाम से दाखिल-खारिज कर लिया। जिसका दाखिल-खारिज वाद सं०-30R27/1974-75 है।

पुनः प्रश्नगत भूमि 0.72 एकड़ में से 0.04 एकड़ जमीन विपक्षी सलील तिर्की के नाम से है।



(विपक्षी सं०-2) सुनिता तिर्की, पिता-जोहन तिर्की को केवाला सं०-57, दिनांक 24.01.2014 द्वारा बिक्री कर दिया। जिसका दाखिल-खारिज वाद सं०-491R27/2012-13 है।

आवेदक जतरु लोहरा द्वारा उक्त दाखिल-खारिज के खिलाफ न्यायालय भूमि सुधार समाहर्ता, सिमडेगा के न्यायालय में दाखिल-खारिज अपील वाद सं०-03/2013-14 जतरु लोहरा बनाम सुनिता तिर्की वगै० दायर किया गया। दिनांक 28.01.2014 ई० को श्रीमान भूमि सुधार उप समाहर्ता, सिमडेगा द्वारा आवेदक जतरु लोहरा के अपील को खारिज कर दिया।

न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, सिमडेगा के न्यायालय में प्रश्नगत भूमि के बाबत धारा-144 द०प्र०स० के तहत आवेदक एवं विपक्षी के बीच मुकदमा चला। जिसका वाद सं०- M-45/2013-14 के रूप में दर्ज हुआ। उक्त वाद में अनुमण्डल दण्डाधिकारी, सिमडेगा द्वारा दिनांक 31.07.2017 ई० को एक आदेश पारित किया गया, एवं आदेशानुसार आवेदक जतरु लोहरा वगै० को प्रश्नगत भूमि में जाने से रोक लगा दिया गया, और विपक्षी का दखल-कब्जा संपुष्ट किया गया।

प्रश्नगत भूमि के बाबत आवेदक जतरु लोहरा वगै० के द्वारा न्यायालय श्रीमान सब जज-1, सिमडेगा के न्यायालय में टाइटल सूट नं०-16/2013 दायर किया गया।

उक्त वाद में दिनांक 31.07.2017 ई० को न्यायालय द्वारा विपक्षी सलील तिर्की वगै० के पक्ष में निर्णय दिया गया है एवं आवेदक के वाद को खारिज कर दिया। वाद की जमीन के बाबत पुनः अंचल अधिकारी, सिमडेगा द्वारा एक जाँच प्रतिवेदन की मांग की गई। अंचल अधिकारी, सिमडेगा द्वारा अपने पत्रांक-311(ii)/रा०, दिनांक 22.03.2021 द्वारा पुनः जाँच प्रतिवेदन इस न्यायालय में समर्पित किये। जिसमें प्रतिवेदित किया गया है कि मोताबिक खतियान खाता नं०-188, प्लॉट नं०-4462, रकबा-0.72 मीला लोहार वल्द कौंगना लोहार दर्ज है।

उभय पक्षों के विद्वान अधिवक्ताओं को सुना। आवेदक का कहना है कि वह अनुसूचित जनजाति का सदस्य है। विपक्षीगणों द्वारा छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम के विरुद्ध वाद की जमीन का नजायज ढंग से हस्तान्तरण करा लिये है। अतः वाद की जमीन को वापस दिलवाया जाय। विपक्षीगणों के विद्वान अधिवक्ता ने कहा है कि आवेदक के द्वारा दाखिल खतियान में कौम लोहार दर्ज है, और लोहार अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में नहीं आते है। साथ ही वर्तमान में वाद विधि-विधान से बाधित है। इस संबंध में विपक्षीगणों के विद्वान अधिवक्ता के द्वारा लिमिटेशन के बिन्दु पर उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय का निम्नलिखित निर्णय दाखिल किया गया है:-

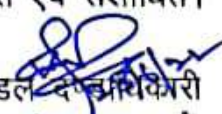
1. सीटु साहु वगै० बनाम झारखण्ड सरकार (2004(4) J.c.R.211(SC) - सुप्रीम कोर्ट।
2. टाट इंजिनियरिंग एण्ड लोकोमोटिव कम्पनी लिमिटेड बनाम झारखण्ड सरकार (2019(1) J.c.R.350 (झारखण्ड)-झारखण्ड हाईकोर्ट।
3. वैजनाथ मुण्डा बनाम झारखण्ड सरकार वगै० (2018(3) J.c.R.181(Jhar) - झारखण्ड उच्च न्यायालय।
4. मनसा राम मांझी बनाम झारखण्ड सरकार वगै० (2019(3) J.c.R.120(Jhar) - झारखण्ड उच्च न्यायालय।


9

कें 24.01.2013  
कार उप  
तल

उभय पक्षों के विद्वान अधिवक्ताओं के बहस सुनने तथा उनके द्वारा दाखिल कागजातों एवं अंचल अधिकारी, सिमडेगा के जाँच प्रतिवेदन के अवलोकन तथा उपरोक्त वर्णित सुप्रीम कोर्ट एवं हाई कोर्ट द्वारा निर्गत वादों के न्यायादेशों के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि वाद की जमीन खतियान में कौम 'लोहार' दर्ज है और कौम लोहार अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में नहीं आता है। अतः जमीन के अन्तरण में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908 की धारा-46 का उल्लंघन नहीं हुआ है। पुनः वाद की जमीन का अन्तरण सन् 1949 ई० में निबंधित दस्तावेज के द्वारा हुआ है। जिसे आवेदक के दादा खतियानी रैयत मीला लोहार वल्द कोंगना लोहार कौम लोहार द्वारा निबंधित दस्तावेज द्वारा विक्री किया गया है और आवेदक द्वारा यह वाद लगभग 68 वर्षों के पश्चात् लाया गया है, जो अवधि विधि-विधान (Limitation Act) द्वारा बाधित है। विपक्षीगणों के द्वारा वाद की जमीन पर बिना किसी गतिरोध के लगातार 51 वर्षों से उपर दखल-कब्जा रहा है एवं विपक्षीगण निबंधित दस्तावेज से वाद की जमीन को क्रय किये हैं। विपक्षीगणों का पंजी-II में जमाबंदी भी कायम है, तथा सरकार को मालगुजारी अदा कर रसीद लिया करते हैं।

आवेदक का आवेदन छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम की धारा-71A के तहत विचारणीय नहीं है। अतः आवेदक के भूमि वापसी आवेदन को खारिज किया जाता है।  
लेखापित एवं संशोधित।

  
अनुमण्डल अधिकारी  
सिमडेगा।

  
अनुमण्डल अधिकारी  
सिमडेगा।